इंदौर
रविवार, 8 नवम्बर, 2026
वर्ष 02 | अंक 266 कुल पृष्ठ : 8 | Digital
RNI-NO.MPHIN/2015/64585

शुभ दीपावली

रणजीत टाइम्स

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

शुभ दिपावली



प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

प्रकाश और उल्लास के इस पावन पर्व पर
आपके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और नया उजाला
आए। मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की कृपा आपके और
आपके परिवार पर हमेशा बनी रहे

शुभ दिपावली

त्योंदा पुलिस की कार्रवाई

92.600 किलोग्राम अवैध विस्फोटक सामग्री

(गंधक-पोटाश) एवं 85 गचकुण्डियाँ जप्त, दो आरोपी गिरफ्तार

धर्मेन्द्र गुप्ता

ग्राम रसूलपुर पटाखा बाजार के पास लोडिंग ऑटो में बिक्री के लिए रखी थी विस्फोटक सामग्री, विस्फोटक अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज



पुलिस अधीक्षक विदिशा श्री रोहित काशवानी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) कुरवाई श्रीमती शिखा भलावी के मार्गदर्शन तथा थाना प्रभारी त्योंदा के नेतृत्व में अवैध विस्फोटक पदार्थों के क्रय-विक्रय एवं भंडारण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत त्योंदा पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए 92.600 किलोग्राम अवैध विस्फोटक सामग्री (गंधक-पोटाश) एवं 85 गचकुण्डियाँ जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थाना त्योंदा पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम रसूलपुर पटाखा बाजार के पास एक लोडिंग ऑटो में दो व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री गंधक-पोटाश एवं गचकुण्डियाँ बिक्री के उद्देश्य से रखी गई हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।प्यारे मियां पिता रहीश मियां, निवासी रायसेन गेट, जिला विदिशा।मननान पिता बन्ने खां, निवासी इछावर, जिला सीहोर।लोडिंग ऑटो की तलाशी लेने पर बोरियों में रखी 92.600 किलोग्राम गंधक-पोटाश एवं 85 गचकुण्डियाँ बरामद हुईं। पुलिस ने उक्त सामग्री विधिवत जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास विस्फोटक सामग्री के भंडारण एवं विक्रय संबंधी वैध लाइसेंस नहीं पाए जाने पर उनके विरुद्ध धारा 9(ख), 1(ख) विस्फोटक अधिनियम एवं धारा 288 बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी उप निरीक्षक गौरव रघुवंशी, प्रधान आरक्षक जितेन्द्र खटीक, आरक्षक शिवम सिंह तोमर, आरक्षक शुभम शर्मा एवं आरक्षक दिलीप धाकड़ की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

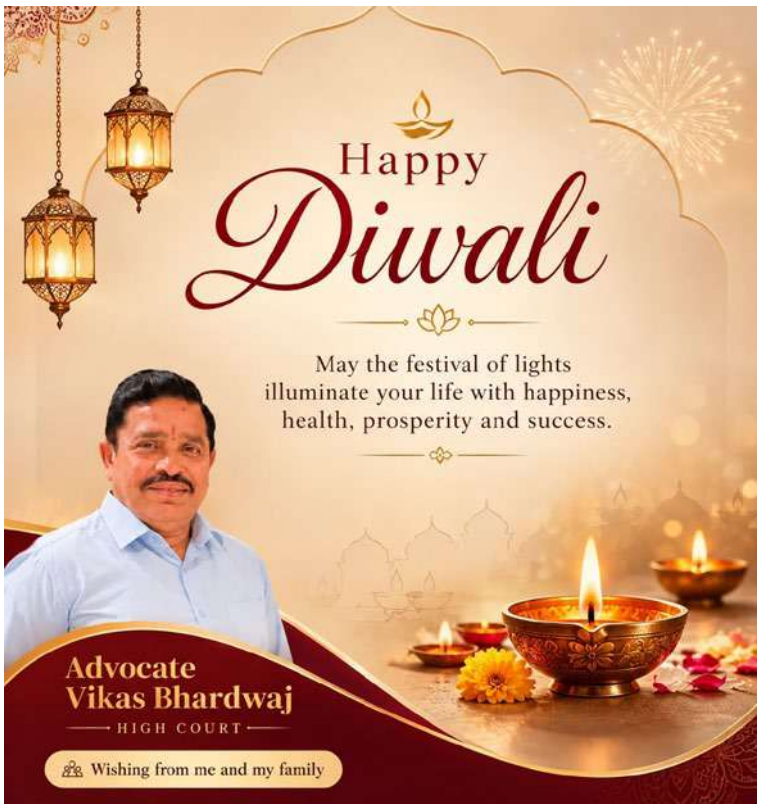



ऑपरेशन क्लीन स्वीप के अंतर्गत विदिशा पुलिस की प्रभावी कार्रवाई

29.94 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर के साथ अंतर्राज्यीय गिरोह के दो आरोपी गिरफ्तार

धर्मेन्द्र गुप्ता



थाना शमशाबाद पुलिस ने ब्राउन शुगर, स्कूटी, नकदी एवं 3 मोबाइल सहित कुल 4 लाख 44 हजार की सामग्री की जप्त पुलिस अधीक्षक विदिशा श्री रोहित काशवानी के कुशल निर्देशन में जिले में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के अंतर्गत अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) लटेरी श्री अमरेश बोहरे के मार्गदर्शन में थाना शमशाबाद पुलिस ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए अंतर्राज्यीय गिरोह से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थाना शमशाबाद पुलिस द्वारा लटेरी-शमशाबाद रोड पर ग्राम कोलुआ के पास कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर (पाउडर) के दो पैकेट बरामद किए गए। इनमें एक पैकेट से 23.40 ग्राम एवं दूसरे पैकेट से 06.54 ग्राम, इस प्रकार कुल 29.94 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 3,00,000/- है।इसके अतिरिक्त पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त बिना नंबर की सफेद रंग की सुजुकी एक्सेस स्कूटी, नकदी एवं तीन मोबाइल फोन भी जब्त किए। इस प्रकार पुलिस द्वारा कुल 4,44,250/- की सामग्री जब्त की गई है।ओमप्रकाश पिता सावरलाल तवर, उम्र 20 वर्ष, निवासी कोटड़ी, थाना घटोली, जिला झालावाड़ (राजस्थान)। सौरभ पिता लाखन सिंह राजपूत, उम्र 24 वर्ष, निवासी गल्ला मंडी रोड, विदिशा। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। पुलिस द्वारा आरोपियों से ब्राउन शुगर के स्रोत एवं इसके लाने-ले जाने के नेटवर्क के संबंध में विस्तृत अनुसंधान किया जा रहा है।

अवैध ब्राउन शुगर 29.94 ग्राम – अनुमानित कीमत

3,00,000/- सफेद रंग की सुजुकी एक्सेस स्कूटी (बिना नंबर) – अनुमानित कीमत 80,000/-

नगद राशि – 24,250/- तीन मोबाइल फोन – अनुमानित कीमत 40,000/- कुल 4,44,250/- की सामग्री जप्त की गई। निरीक्षक आशुतोष सिंह, निरीक्षक मोहर सिंह मंडेलिया (रक्षित केंद्र), उप निरीक्षक रमन सिंह, सउनि(एम) सिद्धांत भदोरिया सउनि पवन जैन, प्रआर कुलदीप चंदेल, प्रआर सुनील पुरी, प्रआर कृष्णकुमार मिश्रा, प्रआर कमल रघुवंशी, प्रधान आरक्षक राकेश शर्मा, महेश पाठक, राजेन्द्र आर्य, आर अमर दांगी, आर शरद रैकवार, आर अखिलेश राजावत, आर अजय सिकरवार, आरक्षक दीपक पाल, दिलीप ठाकुर, विष्णु तोमर, सोमेश शुक्ला, सुमेर सिंह, घनश्याम सहरिया एवं दीपक राजपूत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भोपाल में बड़ा हादसा

40 फीट गहरे पानी से भरे कुएं में गिरी कार, चार युवकों ने कांच तोड़कर बचाई जान



ढाई घंटे तक चला रेस्क्यू ऑपरेशन, स्थानीय लोगों की मदद से सभी युवकों को सुरक्षित निकाला गया; भारी डंपरों की आवाजाही को लेकर उठे सवाल

भोपाल। राजधानी भोपाल के निपानिया जाट गांव में शनिवार को एक बड़ा हादसा हो गया। चार युवकों से भरी एक कार अचानक अनियंत्रित होकर करीब 40 फीट गहरे पानी से भरे कुएं में जा गिरी। कार के कुएं में समाते ही उसमें सवार युवकों की जान पर बन आई। हालांकि, संकट की इस घड़ी में चारों युवकों ने हिम्मत और सूझबूझ का परिचय देते हुए कार के कांच तोड़े और किसी तरह बाहर निकलने में कामयाब रहे। गनीमत रही कि सभी युवकों को तैरना आता था, जिसके चलते वे कुएं के पानी में डूबने से बच गए। हादसे में चारों युवकों की जान बच गई। प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार कार में प्रेम सिंह लोधी, ज्ञान सिंह लोधी सहित चार युवक सवार थे। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद ग्रामीण तत्काल मदद के लिए पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। कुआं गहरा होने और उसमें पानी भरा होने के कारण युवकों को बाहर निकालना चुनौतीपूर्ण हो गया। स्थानीय लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए कार के अगले हिस्से का कांच तोड़ा और युवकों को बाहर निकलने का रास्ता उपलब्ध कराया। इसके बाद पुलिस और ग्रामीणों की मदद से बचाव कार्य शुरू किया गया।

ढाई घंटे की मशक्कत के बाद कार और युवकों को निकाला

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। करीब 40 फीट गहरे कुएं में कार के गिरने से रेस्क्यू टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। कुएं से पहले युवकों को सुरक्षित बाहर निकालने और फिर कार को बाहर निकालने के प्रयास किए गए। करीब ढाई घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद चारों युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बाद में कार को भी कुएं से बाहर निकालने की कार्रवाई पूरी की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा रहे।

भारी डंपरों की आवाजाही पर उठे सवाल, पहले भी हो चुके हैं हादसे

इस घटना के बाद निपानिया जाट से कनेरा जाने वाले मार्ग पर रात के समय गिट्टी-मुरम से भरे भारी डंपरों की आवाजाही को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। जिला पंचायत उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट ने इस मार्ग पर रात में भारी वाहनों के संचालन पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि इस रास्ते पर पहले भी कई हादसे हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया। मोहन सिंह जाट के अनुसार उन्होंने करीब एक वर्ष पहले इस समस्या को लेकर तत्कालीन कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी। उनका आरोप है कि शिकायत के बाद उन्हें धमकियां भी मिलीं, लेकिन संबंधित अधिकारियों की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

प्रशासन से वाहनों की जांच और सख्त कार्रवाई की मांग

जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने प्रशासन से मांग की है कि निपानिया जाट-कनेरा मार्ग पर रात के समय संचालित होने वाले गिट्टी-मुरम के डंपरों की आवाजाही की जांच कराई जाए। साथ ही इन वाहनों के दस्तावेज, फिटनेस, वैधता और संचालन संबंधी नियमों की पड़ताल कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

पुलिस कर रही हादसे की जांच

इस संबंध में ईंटखेड़ी थाना प्रभारी आशीष स्प्रे ने बताया कि हादसे की जांच की जा रही है। फिलहाल हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

दीपावली की रोशनी से जगमगाया पीथमपुर, खुशियों के बीच प्रदूषण की चिंता भी बरकरार



घर-आंगन से बाजारों तक छाई दीपोत्सव की रौनक, रंग-बिरंगी विद्युत झालरों और मिट्टी के दीपकों से सजा शहर; औद्योगिक धुएं और सड़कों की धूल के बीच आतिशबाजी से बढ़ सकती है प्रदूषण की चुनौती, बच्चों और बुजुर्गों की सेहत पर विशेष चिंता

पीथमपुर। सुख, समृद्धि और खुशियों का पर्व दीपावली औद्योगिक नगरी पीथमपुर में हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। दीपोत्सव के अवसर पर शहर के घर-आंगन से लेकर बाजारों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक आकर्षक सजावट और रोशनी का नजारा दिखाई दे रहा है। रंग-बिरंगी विद्युत झालरों, फूलों के तोरण, आकर्षक रंगोलियों और मिट्टी के दीपकों से शहर जगमगा उठा है। सुबह से ही लोग पर्व की तैयारियों में जुटे रहे। शाम को घरों और प्रतिष्ठानों में विधि-विधान से मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की गई। दीपावली को लेकर शहर के प्रमुख बाजारों में पिछले कई दिनों से रौनक बनी हुई थी। मिठाई, नमकीन, पूजन सामग्री, फूल-माला, मिट्टी के दीपक, मोमबत्ती और सजावटी विद्युत झालरों की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही रही। लोगों ने घरों की साफ-सफाई और रंग-रोगन के बाद आकर्षक सजावट की। व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी विशेष रोशनी की गई। व्यापारियों ने नए बही-खातों के साथ मां लक्ष्मी का पूजन कर कारोबार में उन्नति और समृद्धि की कामना की।

मिट्टी के दीपकों से परंपरा का उजाला

आधुनिक सजावट और विद्युत झालरों के बीच पारंपरिक मिट्टी के दीपकों का महत्व भी बरकरार रहा। घरों के मुख्य द्वार, मंदिर, तुलसी चौरा और आंगन में दीप प्रज्वलित किए गए। दीपों की रोशनी ने पर्व की पारंपरिक छटा को और खास बना दिया। बच्चों में भी पटाखों और आतिशबाजी को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। परिवारों ने मिठाइयां बांटकर और एक-दूसरे को शुभकामनाएं देकर दीपोत्सव की खुशियां साझा कीं।

औद्योगिक धुएं के बीच प्रदूषण की चुनौती

दीपावली की खुशियों के बीच पीथमपुर की हवा की गुणवत्ता भी चिंता का विषय बनी हुई है। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला धुआं, भारी वाहनों की आवाजाही और सड़कों से उड़ने वाली धूल के कारण शहर की आबोहवा पहले से ही प्रभावित रहती है। उपलब्ध वायु गुणवत्ता मॉनिटरिंग आंकड़ों के अनुसार पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र, विशेषकर सेक्टर-2 में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 111 से 129 के बीच दर्ज किया गया है, जो मध्यम श्रेणी में आता है। हवा में मौजूद पीएम-10 और पीएम-2.5 जैसे सूक्ष्म कण स्वास्थ्य के लिहाज से चिंता का कारण हैं। पीथमपुर के हाउसिंग क्षेत्र, सागौर, इंडोरामा और तीनों औद्योगिक सेक्टरों के आसपास रहने वाले लोगों को कई स्थानों पर धूल और दुर्गंध की परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में दीपावली पर आतिशबाजी से निकलने वाला धुआं और बारीक कण वायु प्रदूषण की समस्या को और बढ़ा सकते हैं।बच्चों और बुजुर्गों की सेहत पर विशेष ध्यान जरूरी

पटाखों से निकलने वाला धुआं वातावरण में सूक्ष्म कणों की मात्रा बढ़ा सकता है। रात और सुबह के समय मौसम में बदलाव तथा तापमान में गिरावट के कारण प्रदूषकों के फैलाव पर भी असर पड़ सकता है। इसका प्रभाव बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा सहित सांस संबंधी बीमारियों से जूझ रहे लोगों पर अधिक पड़ने की आशंका रहती है। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने से खांसी, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में संवेदनशील लोगों को सावधानी बरतने, अत्यधिक प्रदूषण के दौरान अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने और जरूरत पड़ने पर चिकित्सकीय सलाह लेने की आवश्यकता है।

सुरक्षा और पर्यावरण का रखें ध्यान

दीपावली के दौरान आतिशबाजी करते समय सुरक्षा का ध्यान रखना भी जरूरी है। छोटे बच्चों को अकेले पटाखे नहीं जलाने देना चाहिए तथा खुले स्थान पर सावधानीपूर्वक आतिशबाजी करनी चाहिए।

आग से बचाव के लिए पानी और रेत जैसी जरूरी व्यवस्थाएं रखना बेहतर है। कम ध्वनि और कम धुआं करने वाले विकल्पों को प्राथमिकता देकर पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दिया जा सकता है। औद्योगिक नगरी पीथमपुर में दीपावली का पर्व जहां अलग-अलग क्षेत्रों और परंपराओं से जुड़े लोगों को खुशियों के सूत्र में बांध रहा है, वहीं त्योहार के उल्लास के बीच स्वच्छ हवा और बेहतर पर्यावरण की जरूरत भी महसूस की जा रही है।

जन विश्वास अभियान शिविर में पहुंचे एसपी वर्मा, आमजन से किया सीधा संवाद

देपालपुर थाने की कार्यप्रणाली एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा, थाना प्रभारी मीना कर्णावत की कार्यकुशलता और बेहतर प्रबंधन की सराहना

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

देपालपुर। पुलिस और आमजन के बीच विश्वास, समन्वय एवं बेहतर संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से संचालित जन विश्वास अभियान के अंतर्गत देपालपुर थाना परिसर में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में इंदौर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार वर्मा विशेष रूप से पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा कर थाने की कार्यप्रणाली, व्यवस्थाओं तथा पुलिसिंग से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली।

साथ ही उपस्थित नागरिकों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं, सुझाव और अपेक्षाएं भी जानीं। शिविर के दौरान पुलिस अधीक्षक वर्मा ने आमजन की शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुनने तथा उनका समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पुलिस का दायित्व केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि आम नागरिकों के बीच सुरक्षा की भावना विकसित करना और उनकी समस्याओं का संवेदनशीलता के साथ समाधान करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। पुलिस एवं जनता के बीच आपसी विश्वास



और बेहतर समन्वय से ही प्रभावी पुलिसिंग को मजबूती मिलती है। इस अवसर पर एसडीओपी संघप्रिय सम्राट एवं देपालपुर थाना प्रभारी मीना कर्णावत सहित पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक ने थाना परिसर का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं, अभिलेखों एवं पुलिसिंग संबंधी कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने थाना प्रभारी मीना कर्णावत द्वारा थाने की व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने, कार्यों के कुशल प्रबंधन तथा जिम्मेदारियों के प्रभावी निर्वहन की सराहना की। उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इसी प्रतिबद्धता और कार्यकुशलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि पुलिस की वास्तविक सफलता आमजन के मन में विश्वास पैदा करने और जरूरत के समय उन्हें त्वरित सहायता उपलब्ध कराने में निहित है। प्रत्येक फरियादी के साथ सम्मानजनक व्यवहार, शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई तथा पारदर्शी कार्यप्रणाली पुलिस की छवि को मजबूत बनाती है। जन विश्वास अभियान के माध्यम से पुलिस विभाग का प्रयास है कि आम नागरिक बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएं पुलिस के समक्ष रख सकें और उन्हें न्यायोचित समाधान मिल सके। देपालपुर में आयोजित इस शिविर के जरिए भी पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों को उनकी समस्याओं के निराकरण के प्रति आश्वस्त किया। इस प्रकार के आयोजन पुलिस और समाज के बीच विश्वास की कड़ी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ग्राम पंचायत गोहान के सचिव भगवानसिंह चौधरी का हृदय गति रुकने से निधन, आकासोदा में हुआ अंतिम संस्कार

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

देपालपुर। देपालपुर क्षेत्र की ग्राम पंचायत गोहान के सचिव भगवानसिंह चौधरी का शनिवार को हृदय गति रुकने से दुःखद निधन हो गया। वे 55 वर्ष के थे। उनके निधन की खबर से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई। परिवारजनों के अनुसार शनिवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी और हृदय गति रुकने से उन्होंने अंतिम सांस ली। सूचना मिलते ही ग्राम पंचायत गोहान सहित आसपास के गांवों में शोक छा गया। उनका अंतिम संस्कार ग्राम आकासोदा में शोकाकुल वातावरण में किया गया। अंतिम यात्रा में जनप्रतिनिधियों, पंचायत कर्मचारियों, अधिकारियों, ग्रामीणों और शुभचिंतकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर उन्हें अंतिम विदाई दी और श्रद्धांजलि अर्पित की।



भगवानसिंह चौधरी अपने मिलनसार स्वभाव, सरल व्यवहार और कर्तव्यनिष्ठ कार्यशैली के लिए जाने जाते थे। पंचायत के कार्यों में उन्होंने हमेशा ईमानदारी और लगन से अपनी जिम्मेदारी निभाई। ग्रामीणों से उनका गहरा जुड़ाव था, जिसके कारण वे क्षेत्र में सभी के बीच सम्मानित थे। उनके असामयिक निधन पर जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार की जा रही कार्यवाही

उज्जैन। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आमजन को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा अमानक/मिलावटी खाद्य सामग्री निर्माण/विक्रय करने वाले खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा त्यौहार को ध्यान में रखते हुए मावा, घी, मिठाई, तेल आदि खाद्य पदार्थों पर विशेष निगरानी की जा रही है। विभाग की टीम द्वारा मावा, घी, मिठाई, नमकीन आदि निर्माण स्थलों एवं विक्रय स्थलों की जांच की जा रही है। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा बताया गया कि दिनांक 05 नवंबर को रात्रि में एक ग्राहक द्वारा श्रीनाथ जी डेयरी खण्डेराव बाजार तराना जिला उज्जैन से केडबरी डेरी मिल्क चॉकलेट 20/- रूपये एमआरपी वाली के 02 नग क्रय किये गये थे।

ग्राहक को उक्त डेरी मिल्क चॉकलेट में टेस्ट और फंगस की आंशका की शिकायत की गई। शिकायत पर कार्यवाही करते हुए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा आज तराना पहुँचकर श्रीनाथ जी डेयरी का निरीक्षण किया गया।

एसपी की गाड़ी भी धनतेरस के जाम में फंसी, तब हरकत में आई बेटमा पुलिस

त्योहारी सीजन में यातायात व्यवस्था की खुली पोल, एसपी के सामने ही नजर आई जमीनी हकीकत; आम नागरिक रोजाना जाम से जूझने को मजबूर

बेटमा। त्योहारों के दौरान बाजारों में बढ़ती भीड़ और यातायात के दबाव के बीच बेटमा की ट्रैफिक व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई। शुक्रवार को धनतेरस के अवसर पर इंदौर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक राजेन्द्र वर्मा जब बेटमा के अंबेडकर चौराहे से देपालपुर की ओर जा रहे थे, तभी उन्हें भी यातायात अव्यवस्था का सामना करना पड़ा।

बाजार क्षेत्र में लगे जाम के चलते एसपी का वाहन भी कुछ देर तक यातायात में फंसा रहा। बताया जाता है कि जैसे ही थाना प्रभारी रणजीतसिंह बघेल को एसपी का वाहन यातायात के बीच फंसे होने की जानकारी मिली, वे तत्काल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मोर्चा संभालते हुए यातायात व्यवस्था को सुचारु करवाया।

पुलिस की सक्रियता से एसपी का वाहन आगे रवाना हो सका। हालांकि इस पूरे घटनाक्रम ने बेटमा की यातायात व्यवस्था को लेकर एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

जब जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी का



वाहन ही त्योहार के दिन जाम में फंस सकता है, तो आम नागरिकों, व्यापारियों, ग्राहकों और राहगीरों को किन परिस्थितियों से गुजरना पड़ता होगा, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

त्यौहारों में भी नहीं दिखा प्रभावी ट्रैफिक प्लान धनतेरस और दीपावली जैसे प्रमुख त्योहारों पर बाजारों में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोगों की आवाजाही होती है। ऐसे में प्रमुख चौराहों, बाजार मार्गों और व्यस्त स्थानों पर यातायात नियंत्रण के लिए पहले से ठोस कार्ययोजना तैयार करना प्रशासन और पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। इसके बावजूद बेटमा में यातायात का दबाव नियंत्रित करने के लिए प्रभावी प्रबंधन की कमी दिखाई दी। सवाल यह भी है कि जब त्योहारों की तारीखें पहले से निर्धारित थीं, तो यातायात डायवर्जन, अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, पार्किंग व्यवस्था और नो-पार्किंग जोन जैसे जरूरी इंतजाम समय रहते क्यों नहीं किए गए?

एसपी के सामने आई व्यवस्था की वास्तविक तस्वीर

एसपी के वाहन का जाम में फंसना महज एक सामान्य घटना नहीं, बल्कि त्योहारों के दौरान यातायात प्रबंधन की तैयारियों का आईना माना जा सकता है। थाना प्रभारी की मौके पर पहुंचकर व्यवस्था संभालने की तत्परता निश्चित रूप से सराहनीय है, लेकिन स्थायी समाधान केवल जाम लगने के बाद पुलिस की सक्रियता से संभव नहीं है। इसके लिए पूर्व नियोजित ट्रैफिक प्लान, नियमित निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है।

इंदौर
रविवार, 8 नवम्बर, 2026
वर्ष 02 | अंक 266 कुल पृष्ठ : 8 | Digital
RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स
शुभ दिपावली
प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

शुभ दिपावली

सहजयोग



कलेक्टर एवं जनप्रतिनिधियों ने ज्ञानार्जन लाइब्रेरी का शुभारंभ कर किया निरीक्षण

रतलाम। जिले के विद्यार्थियों एवं युवाओं को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सभी 6 विकासखंडों में ज्ञानार्जन लाइब्रेरी प्रारंभ की गई हैं। शुक्रवार को कलेक्टर अजय कटेसरिया एवं जनप्रतिनिधियों ने ग्राम पंचेड़ में ज्ञानार्जन लाइब्रेरी का शुभारंभ किया। इसके साथ ही जावरा, पिपलोदा एवं पंचेड़ स्थित लाइब्रेरी का निरीक्षण भी किया। इस दौरान विधायक श्री मथुरालाल डामर, जिला विकास सलाहकार समिति के सदस्य श्री प्रदीप उपाध्याय तथा सीईओ जिला पंचायत सुश्री वैशाली जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कटेसरिया ने लाइब्रेरी में उपलब्ध पुस्तकों एवं अध्ययन सामग्री का अवलोकन किया। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ बैठकर संवाद किया तथा उनके विचार जाने। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से उनकी पढ़ाई एवं अध्ययन संबंधी आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। पंचेड़ में लाइब्रेरी के निर्माण के लिए जिला पंचायत सदस्यों द्वारा 15वें वित्त आयोग की निधि से 5 लाख रुपए तथा जनसहयोग से 1 लाख रुपए व्यय किए गए हैं। विधायक श्री मथुरालाल डामर ने लाइब्रेरी में एसी एवं इन्वर्टर की व्यवस्था के लिए विधायक निधि से राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन खंड पंचायत अधिकारी श्री कमलेश पालीवाल ने किया तथा आभार सीईओ जनपद पंचायत रतलाम श्री मनीष भंवर ने व्यक्त किया।

जिले के सभी 6 विकासखंडों में स्थापित हुईं लाइब्रेरी- जिले के विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराने के लिए सभी 6 विकासखंडों में ज्ञानार्जन लाइब्रेरी स्थापित की गई हैं। विकासखंड रतलाम के ग्राम पंचेड़ में प्राथमिक विद्यालय भवन तथा आलोट में नागेश्वर रोड, दशहरा मैदान के सामने स्थित शासकीय प्राथमिक विद्यालय परिसर में लाइब्रेरी विकसित की गई है। वहीं बाजना, पिपलोदा, जावरा एवं सैलाना में जनपद पंचायत परिसर में लाइब्रेरी स्थापित की गई हैं।

कंप्यूटर, इंटरनेट एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की सामग्री उपलब्ध

ज्ञानार्जन लाइब्रेरी में विद्यार्थियों के लिए आरामदायक कुर्सी-टेबल, विभिन्न विषयों की पुस्तकें, प्रतियोगी परीक्षाओं की अध्ययन सामग्री, कंप्यूटर सिस्टम एवं हाईस्पीड इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। विद्यार्थी यहां ऑनलाइन अध्ययन, ई-लर्निंग एवं डिजिटल शैक्षणिक सामग्री का उपयोग कर सकेंगे। लाइब्रेरी में शांत एवं व्यवस्थित वातावरण उपलब्ध कराया गया है, जिससे विद्यार्थी एकाग्रता के साथ अध्ययन कर सकें।

Bright Future
LEARNING ACADEMY
मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
An Initiative by
RANJEET TIMES GROUP
ADMISSIONS OPEN
2026-27
KG-1 to Class 10
QUALITY EDUCATION
EXPERIENCED FACULTY
VALUES & DISCIPLINE
HOLISTIC DEVELOPMENT
हर बच्चे का उज्जवल भविष्य हमारी प्राथमिकता

प्रवेश हेतु संपर्क करें
9827068888
BRIGHT FUTURE LEARNING ACADEMY
An Initiative by RANJEET TIMES GROUP
आधुनिक शिक्षा | अनुभवी शिक्षक | सुरक्षित परिसर | सर्वांगीण विकास

बेजोड़ है '90' के दौर का फैशन

'राशा थडानी'

मां के उस दौर के आइकॉनिक लुक्स उसके पर्सनल स्टाइल को काफी प्रभावित करते हैं। राशा के अनुसार, वह लेटेस्ट ट्रैंड्स को आंख बंद करके फॉलो नहीं करती।



बॉलीवुड में इन दिनों जहां नए-नए फैशन ट्रैंड्स का चलन है, वहीं राशा थडानी पुराने दौर के स्टाइल से प्रेरणा ले रही है। बॉलीवुड एक्ट्रैस रवीना टंडन की बेटी राशा का कहना है कि 1990 के दशक का फैशन आज भी बेजोड़ है और उसकी मां के उस दौर के आइकॉनिक लुक्स उसके पर्सनल स्टाइल को काफी प्रभावित करते हैं। राशा के अनुसार, वह लेटेस्ट ट्रैंड्स को आंख बंद करके फॉलो करने के बजाय अपनी मां के फैशन सैंस से प्रेरणा लेना पसंद करती है।

मां के पुराने लुक्स हैं स्टाइल इंस्पिरेशन

हाल ही में एक इवैंट में राशा थडानी और एक्टर वेदांग रैना शामिल हुए। दोनों भारत में एक ब्रांड के आधिकारिक एम्बैसेडर हैं। इस दौरान राशा ने जैनरेशन जैड के फैशन ट्रैंड्स और पब्लिक अपीयरैंस के दौरान खास स्टाइल स्टेटमैंट बनाने के दबाव पर बात की।

उसने कहा, "मैं 1990 के दशक में अपनी मां के लुक्स से बहुत प्रेरित हूं। मेरे हिसाब से उस दौर का फैशन बेजोड़ है। चाहे सनग्लासेस हों या हेयरस्टाइल, जैसे मैसी वेव्स और हाई पोनीटेल, मैं इन सभी चीजों से प्रेरणा लेती हूं। इसलिए मैं इसे दबाव की तरह नहीं देखती, बल्कि अपनी मां के स्टाइल को एक आदर्श मानती हूं।"

रवीना टंडन 1990 के दशक से ही अपने फैशन और ग्लैमरस अंदाज के लिए पहचानी जाती रही है। उस दौर के उसके कई लुक्स आज भी फैशन प्रेमियों के बीच चर्चा में रहते हैं। राशा भी अपनी मां के इसी स्टाइल को नए अंदाज में अपनाना पसंद करती है।

परिवार के साथ त्यौहार मनाने का इंतजार

फैस्टिव सीजन को लेकर भी राशा काफी उत्साहित है। उसने बताया कि वह त्यौहारों के दौरान अपने परिवार के साथ खूब जश्न मनाना चाहती है। उसके लिए फैशन के साथ-साथ परिवार के साथ बिताए जाने वाले पल भी खास मायने रखते हैं।

'मंगा मंगा' को बताया पसंदीदा गाना

राशा इन दिनों अपनी तेलुगु डेब्यू फिल्म 'श्रीनिवास मंगापुरम' को लेकर भी चर्चा में है। हाल ही में उसने फिल्म के गाने 'मंगा मंगा' की मेकिंग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सांझा किया।

इसमें वह फिल्म के अपने को-स्टार जया कृष्णा घट्टामनेनी के साथ गाने पर डांस करती नजर आई। जया कृष्णा दिग्गज अभिनेता कृष्णा का पोता है और इस फिल्म से अभिनय की दुनिया में कदम रख रहा है।

वीडियो के साथ राशा ने लिखा, "पसंदीदा गाना और पसंदीदा लोग। 'मंगा मंगा' अब रिलीज हो गया है।"

अजय भूपति के निर्देशन में बन रही यह फिल्म तिरुपति की पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसकी कहानी वासु बाबू और मंगा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पहले दोस्त बनते हैं और फिर एक-दूसरे से प्यार करने लगते हैं। उनकी जिंदगी में एक अप्रत्याशित संघर्ष आता है, जिसके बाद वासु अपने प्यार को बचाने के लिए हर कीमत पर लड़ने का फैसला करता है।

फिल्म में साऊथ का सुपरस्टार मोहन बाबू खलनायक की भूमिका निभा रहा है। अजय भूपति इससे पहले 'आरएक्स 100' और 'मंगलवारम' जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुका है।

'आजाद' से किया था बॉलीवुड डेब्यू

राशा ने साल 2025 में फिल्म 'आजाद' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। अभिषेक कपूर के निर्देशन में बनी इस पीरियड ड्रामा फिल्म में उसके साथ अजय देवगन, दिया मिर्जा और अमन देवगन नजर आए थे। फिल्म की कहानी 1920 के दशक के भारत में सैट थी, जहां एक अस्तबल का लड़का एक घोड़े के साथ खास रिश्ता बना लेता है। आगे चलकर उसकी जिंदगी स्वतंत्रता संग्राम की घटनाओं से जुड़ जाती है।

साऊथ के अलावा अब राशा अपनी अगली हिन्दी फिल्म 'लाइकी लाइका' की तैयारी भी कर रही है। इस रोमांटिक ड्रामा में उसके साथ फिल्म 'मुंज्या' से प्रसिद्धि पाने वाला अभय वर्मा नजर आएगा। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, हालांकि इसकी रिलीज डेट को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

पर्यावरण के लिए छोटे-छोटे कामों पर जोर

राशा सिर्फ 20 साल की है फिर भी उसे एहसास है कि सार्वजनिक व्यक्तित्व के क्षेत्र में कदम रखते ही उसकी आवाज में कितनी ताकत होती है। वह केवल विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक दिन नहीं बल्कि पूरे साल और अधिक जागरूकता की अपील करते हुए कहती है, "मैं ऐसे घर में पैदा हुई, जहां इंसानों से ज्यादा जानवर थे। बचपन में, मैं उनसे घिरी रहती थी, मैंने देखा कि मेरी मां (रवीना टंडन) में पर्यावरण के लिए बहुत जुनून था। स्कूल में, यह बहुत छोटा विषय होता था। उदाहरण के लिए हमें कहा जाता था, घर जाओ और एक पेड़ लगाओ। लेकिन इससे भी मेरे भीतर कुछ हलचल होती थी।"

जैसे-जैसे राशा बड़ी हुई, उसने कुछ आदतें अपनाईं। इस बारे में वह बताती है, "यहां तक कि जब मैं दोस्तों के साथ बाहर जाती हूं और कोई सड़क पर टिशू फेंक देता है, तो मैं कार रोक देती हूं और उन्हें आगे बढ़ने से पहले उसे उठाने के लिए कहती हूं। वे मेरे आस-पास कुछ भी करने से डरते हैं! मैं जितना संभव हो सके कारपूल भी करती हूं, या तो मेरे दोस्त मेरी कार में मेरे साथ यात्रा करते हैं या मैं उनकी कार में। मैं अपनी योजनाओं को दूसरे लोगों के दिमाग में डालने की कोशिश करती हूं। हमारे घर के हर कमरे में एक सामान्य डस्टबिन है, और एक अलग डस्टबिन है जिसमें रीसाइकिल की जा सकने वाली चीजें जैसे कि कागज या कार्डबोर्ड के डिब्बे फेंके जाते हैं। हमारे घर में प्लास्टिक की बोतलें बिलकुल भी नहीं हैं।"

कलेक्टर ने बाल संरक्षण आश्रम में बच्चों के साथ मनाई दीपावली, बांटी खुशियां और उपहार

बच्चों के बीच दीपावली मनाना सुखद अनुभूति, बच्चे ही देश का उज्ज्वल भविष्य हैं-कलेक्टर वर्मा

रणजीत टाइम्स
ranjeettimes.com

इंदौर। दीपावली के पावन पर्व पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने शासकीय बाल संरक्षण आश्रम पहुंचकर वहां निवासरत बच्चों के साथ दीपावली का पर्व हर्षोल्लास और आत्मीयता के साथ मनाया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में कलेक्टर ने बच्चों के बीच पहुंचकर उन्हें पर्व की खुशियों में सहभागी बनाया और उपहार, नए वस्त्र एवं मिठाइयां वितरित कीं।

कलेक्टर श्री वर्मा ने बच्चों के साथ आत्मीय संवाद किया, उनकी कुशलक्षेम जानी और उनके साथ समय बिताया। उपहार और मिठाइयां पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी देखते ही बन रही थी। पूरे



आश्रम में उत्साह और उल्लास का वातावरण रहा। कलेक्टर ने बच्चों के साथ मिठाइयां साझा कीं तथा दीपावली के अवसर पर उनके साथ आतिशबाजी भी की। इस अवसर पर कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। इन बच्चों को



खुश देखकर मन में प्रसन्नता होती है और विश्वास मजबूत होता है कि देश का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा कि उनका हमेशा प्रयास रहता है कि सभी त्योहार और पर्व बच्चों के साथ मनाए जाएं, ताकि बाल संरक्षण आश्रम में निवासरत बच्चों को भी परिवार जैसा अपनत्व और खुशियाँ मिल सके। उन्होंने कहा कि बच्चों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ भारतीय त्योहारों, परंपराओं और संस्कृति से परिचित कराना भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से आश्रम में सभी त्योहार पूरे उत्साह और परंपरागत तरीके से मनाए जाते हैं। बच्चों का उत्साह और उनकी मुस्कान इन आयोजनों को और भी खास बना देती है। कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बच्चे आगे बढ़ें, जीवन में सफलता प्राप्त करें और देश के विकास में अपना योगदान दें, यही हम सभी की कामना है। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु प्रजापति तथा अपर कलेक्टर रिंकेश वैश्य सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

लोकल फॉर वोकल को प्रोत्साहन

देने छावनी पहुंचे मंत्री सिलावट, सपरिवार की स्वदेशी उत्पादों की खरीदी



इंदौर । जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट शनिवार सपरिवार छावनी पहुंचे। यहां उन्होंने दीपावली पर्व के अवसर पर स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने और 'लोकल फॉर वोकल' की भावना को प्रोत्साहित करते हुए स्थानीय उत्पादकों एवं व्यापारियों से दीपावली पूजन सामग्री सहित अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीदी की।

मंत्री श्री सिलावट ने स्थानीय उत्पादों को अपनाने और स्थानीय कारीगरों, छोटे व्यापारियों एवं उत्पादकों को प्रोत्साहित करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वदेशी उत्पादों की खरीदी से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है तथा छोटे व्यापारियों और कारीगरों को आर्थिक संबल मिलता है।

इंदौर में दीपावली के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा प्रशासन की सघन जांच कार्रवाई

पीपली बाजार के 10 मावा प्रतिष्ठानों में की गई रैपिड टेस्टिंग, श्री बालाजी ट्रेडिंग पर 600 किलोग्राम खाद्य सामग्री का विक्रय प्रतिबंधित

इंदौर। दीपावली पर्व के दृष्टिगत आम नागरिकों को सुरक्षित एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा प्रशासन, इंदौर द्वारा जिले में विशेष निरीक्षण एवं जांच अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन मध्यप्रदेश श्री मनोज पुष्प के निर्देशन तथा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 5 एवं 6 नवंबर को खाद्य सुरक्षा प्रशासन की टीम ने विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों एवं मावा विक्रय केंद्रों का निरीक्षण किया। 6 नवंबर को पीपली बाजार स्थित मावा बाजार में मावा विक्रय करने वाले 10 प्रतिष्ठानों पर रैपिड टेस्ट किट के माध्यम से मावे का मौके पर प्राथमिक परीक्षण किया गया। इसके अलावा एयरपोर्ट क्षेत्र के मिठाई विक्रय प्रतिष्ठानों तथा महेश नगर स्थित माहेश्वरी धर्मशाला में संचालित सुदानी कैटर्स के यहां भी मिठाइयों की प्राथमिक जांच की गई। खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा शिप्रा स्थित माय श्री नाश्ता पॉइंट एवं



आइसक्रीम का भी निरीक्षण किया गया। यहां प्रतिष्ठान संचालक श्री मुकेश कुमार जाट को साफ-सफाई बनाए रखने तथा गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थों का निर्माण एवं विक्रय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रतिष्ठान से मीठा मावा, मावा, गुपचुप, केसर पेड़ा, मिल्क केक एवं सफेद पेड़ा सहित कुल 6 खाद्य नमूने जांच के लिए संग्रहित किए गए। इसी तरह 5 नवंबर को रिंग रोड स्थित श्री बालाजी ट्रेडिंग का निरीक्षण किया गया। यहां विक्रय के लिए संग्रहित कंचन श्री ब्रांड के मिल्क केक एवं मीठा मावा के नमूने जांच हेतु लिए गए। दोनों खाद्य पदार्थों का शेष उपलब्ध स्टॉक लगभग 600 किलोग्राम पाया गया। उपभोक्ताओं के हित एवं खाद्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जांच रिपोर्ट प्राप्त होने तक उक्त खाद्य सामग्री के विक्रय पर प्रतिबंध लगाया गया है।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा सभी खाद्य कारोबारकर्ताओं को प्रतिष्ठानों एवं खाद्य निर्माण परिसरों में साफ-सफाई रखने, कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता सुनिश्चित करने तथा नियमित रूप से कीट नियंत्रण कराने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य पदार्थों को खुले में रखकर विक्रय नहीं करने और उन्हें उचित तरीके से ढककर सुरक्षित परिस्थितियों में रखने की हिदायत भी दी गई है। मिठाइयों में केवल अनुमेय खाद्य रंगों का न्यूनतम आवश्यक मात्रा में उपयोग तथा खाद्य योग्य अच्छी गुणवत्ता के चांदी के वर्क का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा संग्रहित सभी खाद्य नमूनों को विस्तृत जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित खाद्य कारोबारकर्ताओं के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा दीपावली पर्व के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरीक्षण, प्राथमिक परीक्षण एवं नमूना संग्रहण की कार्रवाई निरंतर जारी रखी जाएगी।